महिला विश्वविद्यालय में सामाजिक संगठनों ने मनाया संविधान दिवस

संविधान केवल लिखित नहीं, बल्कि एक जीवंत दस्तावेज: खन्ना

गोहाना, 26 नवम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय और गोहाना शहर में सामाजिक संगठनों ने शुक्रवार को 73वां संविधान दिवस मनाया। महिला विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग व छात्र कल्याण अधिष्ठाता के सहयोग से ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं अम्बेदकर संघर्ष समिति ने शहर में अम्बेदकर चौक पर पहुंचकर डॉ. भीमराव अम्बेदकर को नमन किया।

आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि हमारा संविधान भारत को संप्रभु, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतांत्रिक व गणतंत्र घोषित करता है। इसके साथ ही अपने नागरिकों के लिए समानता, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है। उन्होंने ओ.बी.सी. वर्ग के लोगों को संविधान के अनुसार हर क्षेत्र में दलित पैटर्न पर अधिकार देने की भी सरकार से मांग की। इस दौरान समिति के प्रदेश महासचिव रोहतास अहलावत, रामनिवास पांचाल, प्रवीण सरोहा, रत्न कुमार बागड़ी, अशोक चौहान, नरेश बामनिया, रवि शिव दास आदि मौजूद रहे।

वहीं बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली हाईकोर्ट से एडवोकेट स्वाति खन्ना ने वर्तमान समय में संवैधानिक नैतिकता एवं संविधान सभा में शामिल रही 15 महिलाओं

संविधान दिवस पर डॉ. भीमराव अम्बेदकर की प्रतिमा समक्ष नमन करते संगठन के सदस्य। (अरोड़ा)

के योगदान की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान सरकार एवं नौकरशाही के लिए संवैधानिक नैतिकता की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक लिखित दस्तावेज ही नहीं है, बल्कि एक जीवंत दस्तावेज है। कुलपति प्रो. राजेंद्र कुमार अनायत ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतंत्र तभी कायम है, जब हमारा संविधान हमें लोकतांत्रिक आजादी देता है। इस दौरान प्रो. इप्सिता बंसल, डॉ. मूर्ति मलिक, डॉ. रामफल, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. सुनीता सिवाच आदि भी मौजूद रहे।

संगोष्ठी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीति में उभरती प्रवृत्तियों पर किया विचार विमर्श

1945 से अब तक पूरा विश्व दो भागों में बंटा: यादव

समाज की सुरक्षा हम सब का नैतिक कर्तव्य

ई-गवर्नेंस के बिना जीवन की कल्पना नहीं : डा. अनिता अग्रवाल

गोहाना, 1 जून (अरोड़ा) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के तहत एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष डा. रामपाल भट्टी ने की।

मुख्य वक्ता के रूप में करनाल के दयाल सिंह कालेज से डा. अनिता अग्रवाल ने ई-गवर्नेंस विषय पर व्याख्यान दिया जिसमें सरकार द्वारा वर्तमान में चुनौतियों एवं समाधान पर किए गए प्रयास पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया।

व्याख्यान देते हुए डा. अनिता अग्रवाल। (अरोड़ा)

डा. अनिता अग्रवाल ने अपने व्याख्यान में छात्राओं के साथ संवाद किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में मुख्य रूप से ई-गवर्नेंस के लिए उदार लोकतंत्र को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि हमें लोकतंत्र को सरकार बनाने तक ही सीमित नहीं रखना है बल्कि इसे जीवन पद्धति के रूप में स्वीकार करना है। वर्तमान समय सूचना प्रौद्योगिकी का समय है जिसमें हम ई-गवर्नेंस के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकते।

इस अवसर पर दिनेश कुमार, अर्चना, डा. ममता, डा. सुमेर के साथ विज्ञान विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के तहत एक विस्तार व्याख्यान का किया आयोजन

उजाला आज तक

गोहाना (रामनिवास धीमान) भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के तहत एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन विभाग के अध्यक्ष डॉ रामपाल भट्टी ने किया।

जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में दयाल सिंह कॉलेज करनाल से डा अनिता अग्रवाल ने ई गवर्नेंस विषय पर व्याख्यान दिया । जिसमे हाल में सरकार द्वारा वर्तमान में चुनौतियों एवं समाधान पर किए गए प्रयास पर व्यापक रूप से विमर्श किया गया। डॉक्टर अनिता अग्रवाल ने अपने व्याख्यान में छात्राओं के साथ संवाद किया ,उन्होंने अपने व्याख्यान में मुख्य रूप से ई-गवर्नेंस के लिए उदार लोकतंत्र को आवश्यक बताया उन्होंने कहा कि हमें लोकतंत्र को सरकार बनाने तक ही सीमित नहीं रखना है बल्कि इसे जीवन पद्धति के रूप में स्वीकार करना है। वर्तमान समय सूचना प्रौद्योगिकी का समय है जिसमें हम ई-गवर्नेंस के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। इस अवसर पर दिनेश कुमार, अर्चना, डॉक्टर ममता, डॉक्टर सुमेर एवं राजनीति विज्ञान विभाग एवं इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।